बेमौसमी सब्जियों को रोग से बचाएं, अधिक मुनाफा कमाएं

कोरोना संक्रमण के बीच कृषकों को कृषि कार्य के लिए छूट प्रदान की गई है। ऐसे में किसान भाइयों को सामाजिक दूरी का पालन करते हुए बेमौसमी सब्जी उत्पादन को निरंतर आगे बढ़ाते रहना है ताकि इस समय सब्जियों की कमी ना हो और किसान भाइयों को आर्थिक लाभ भी मिलता रहे। पर्वतीय क्षेत्रों की जलवायु बेमौसमी सब्जियों के लिए बहुत अनुकूल है। सब्जियों के अधिक उत्पादन में इनमें लगने वाले विभिन्न रोगों का प्रकोप एक बाधा है जिससे उपज में काफी नुकसान होता है। सब्जियों में विभिन्न रोग, फफूंदियों, जीवाणुओं, विषाणुओं व सूत्रकृमि द्वारा होते हैं। एसे में भाकृअनुप – विवेकानन्द पर्वतीय कृषि अनुसंधान संस्थान, अल्मोड़ा के द्वारा सुझाए गये उपायों को अपनाकर समय रहते इन रोगों का प्रबंधन कर बेमौसमी सब्जी उत्पादन से अधिक मुनाफा कमा सकते हैं। सब्जियों जैसे टमाटर, मिर्च, बैगन और गोभी आदि की पौध तैयार करने में आर्द्रगलन एक प्रमुख समस्या है इसके कारण बीज जमीन के अंदर अंकुरण से पूर्व या अंकुरण के 10–15 दिन बाद जमीन की सतह पर गल कर मर जाते हैं। इसके रोकथाम के लिए पौधशाला की क्यारियां जमीन से 15–20 सेमी. उठी हुई बनाएं ताकि पानी का ठहराव न हो सके। पौधशाला तैयार करते समय मिट्टी में ट्राइकोडर्मा नामक जैव कारक का 10 ग्राम प्रति वर्ग मीटर की दर से छिड़काव करें। बीजों को थाइरम या मेटालेक्सिल नामक फफूंदनाशी से 2.5 ग्राम प्रति किग्रा. बीज की दर से उपचारित करके बोयें। टमाटर और आलू में पछेती झुलसा रोग का लक्षण दिखाई देने पर मैकोंजेब या कॉपर आक्सीक्लोराइड की 2.5 ग्राम या रिडोमिल दवा की 2 ग्राम प्रति लीटर पानी की दर से घोलकर छिड़काव करें। शिमला मिर्च, मिर्च और टमाटर में उकठा जनित रोग का प्रकोप होने पर कार्बेडाजिम 2 ग्राम और बोर्डो मिक्सचर 10 ग्राम प्रति लीटर पानी में घोलकर पौधों की जड़ों को तर करें। फ्रासबीन की फलियों में श्यामवर्ण रोग का प्रकोप होने पर मैंकोजेब या कापर आक्सीक्लोराइड की 2.5 ग्राम प्रति लीटर पानी की दर से घोलकर छिड़काव करें। कद्दूवर्गीय सब्जियों में फल विगलन की

समस्या होने पर मैकोंजेब की 2.5 ग्राम प्रति लीटर पानी की दर से घोलकर छिड़काव कर रोग को नियंत्रित किया जा सकता है। फफूंदनाशी का प्रयोग करते समय कुछ सावधानियों का ध्यान रखें जैसे मास्क और दस्ताने का प्रयोग अवश्य करें, छिड़काव शाम के समय करें और छिड़काव हवा की दिशा में करें।